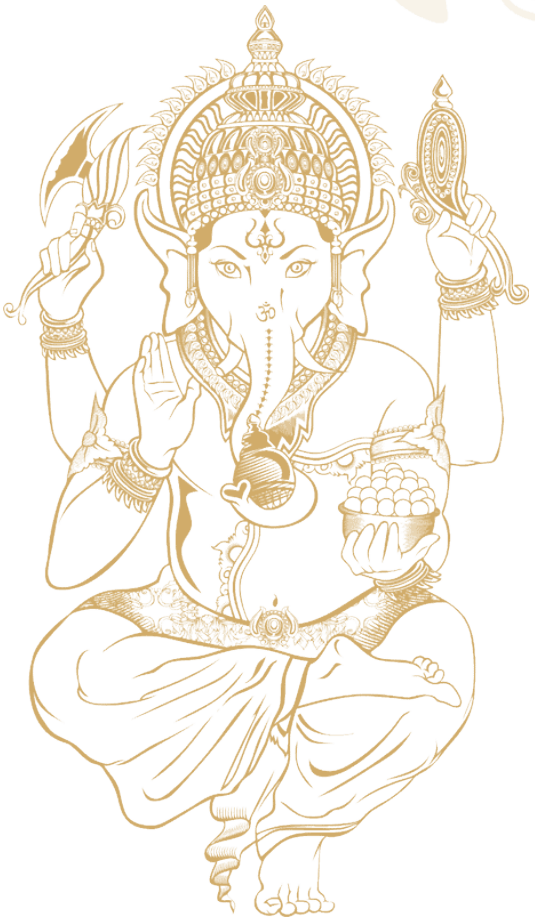

Sh. Ramesh Sharma

30 Mar 1959

06:00 PM

Solan

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121586305

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
30/03/1959	जन्म तिथि	**30/03/2026**
सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 18:00:00	जन्म समय	22:22:58 घंटे
घटी 29:23:38	जन्म समय(घटी)	40:23:26 घटी
India	देश	India
Solan	स्थान	Solan
उत्तर 30:54:00	अक्षांश	30:54:00 उत्तर
पूर्व 77:06:00	रेखांश	77:06:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:36	स्थानिक संस्कार	-00:21:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:14:32	सूर्योदय	06:13:35
18:38:40	सूर्यास्त	18:39:09
23:17:20	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:32

कन्या	लग्न	वृश्चिक
बुध	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
धनु	राशि	सिंह
गुरु	राशि-स्वामी	सूर्य
मूल	नक्षत्र	पू०फाल्गुनी
केतु	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
2	चरण	2
वरियान	योग	गण्ड
विष्टि	करण	तैतिल
यो-योगेश	जन्म नामाक्षर	टा-टपकेश्वरी
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
क्षत्रिय	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	वनचर
श्वान	योनि	मूषक
राक्षस	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	मध्य
मृग	वर्ग	श्वान
67	गत/तत्कालिक वर्ष	68

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
उ०फाल्गुनी	4	08:13:32	कन्या			लग्न			वृश्चि	04:02:02	1	अनुराधा
उ०भाद्रपद	4	15:46:14	मीन			सूर्य			मीन	15:46:15	4	उ०भाद्रपद
मूल	2	03:36:28	धनु			चंद्र			सिंह	17:28:33	2	पू०फाल्गुनी
मृगशिरा	3	00:40:57	मिथु			मंगल		अ	कुंभ	27:52:41	3	पू०भाद्रपद
उ०भाद्रपद	4	13:45:51	मीन	व	अ	बुध			कुंभ	18:25:23	4	शतभिषा
अनुराधा	2	08:29:32	वृश्चि	व		गुरु			मिथु	21:28:24	1	पुनर्वसु
भरणी	2	18:20:26	मेष			शुक्र			मेष	05:49:10	2	अश्विनी
पूर्वाषाढ़ा	1	13:32:04	धनु			शनि		अ	मीन	11:09:39	3	उ०भाद्रपद
हस्त	3	19:48:28	कन्या			राहु	व		कुंभ	14:34:10	3	शतभिषा
रेवती	1	19:48:28	मीन			केतु	व		सिंह	14:34:10	1	पू०फाल्गुनी
आश्लेषा	1	19:07:29	कर्क	व		मु			मेष	08:13:32	3	अश्विनी

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

लग्न-चलित

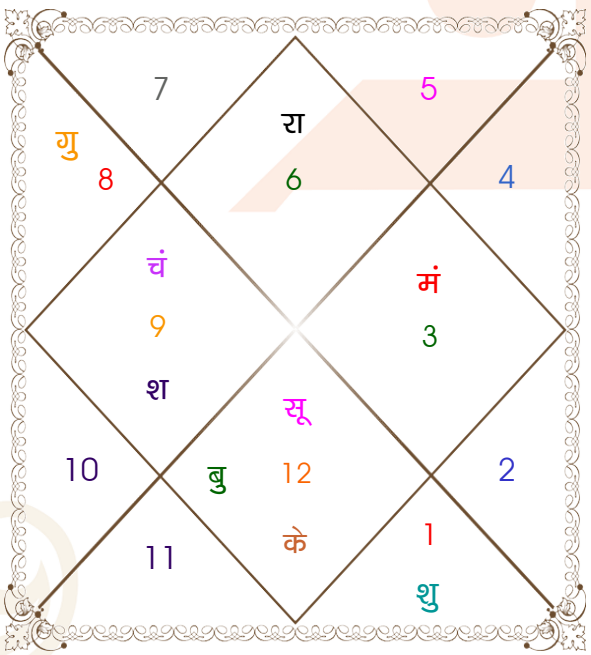

वर्ष लग्न कुंडली

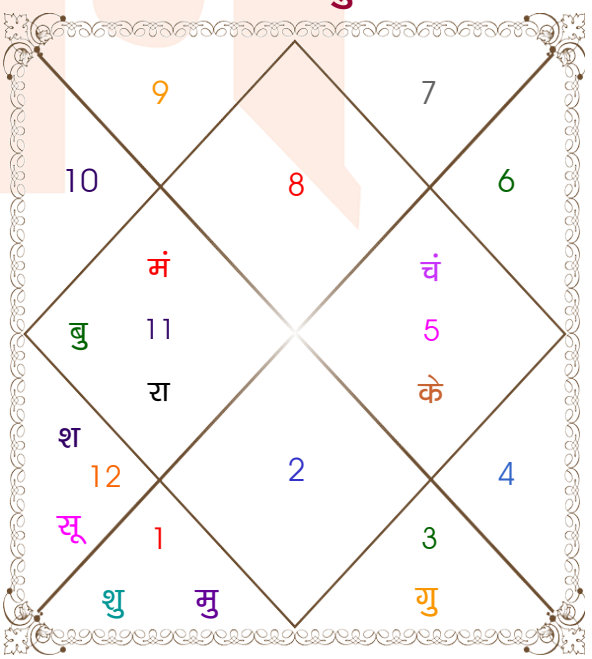

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - गुरु - बुध		गुरु - गुरु - केतु		गुरु - गुरु - शुक्र		गुरु - गुरु - सूर्य	
21/12/2025 04:42		10/04/2026 13:59		26/05/2026 00:51		02/10/2026 21:39	
10/04/2026 13:59		26/05/2026 00:51		02/10/2026 21:39		10/11/2026 20:42	
बुध	05/01/2026 20:01	केतु	13/04/2026 05:37	शुक्र	16/06/2026 16:19	सूर्य	04/10/2026 20:24
केतु	12/01/2026 06:33	शुक्र	20/04/2026 19:25	सूर्य	23/06/2026 04:10	चंद्र	08/10/2026 02:20
शुक्र	30/01/2026 16:06	सूर्य	23/04/2026 01:58	चंद्र	03/07/2026 23:54	मंगल	10/10/2026 08:52
सूर्य	05/02/2026 04:34	चंद्र	26/04/2026 20:52	मंगल	11/07/2026 13:43	राहु	16/10/2026 05:08
चंद्र	14/02/2026 09:20	मंगल	29/04/2026 12:31	राहु	31/07/2026 01:14	गुरु	21/10/2026 09:48
मंगल	20/02/2026 19:53	राहु	06/05/2026 08:08	गुरु	17/08/2026 08:48	शनि	27/10/2026 13:51
राहु	09/03/2026 09:16	गुरु	12/05/2026 09:35	शनि	06/09/2026 22:18	बुध	02/11/2026 02:19
गुरु	24/03/2026 02:30	शनि	19/05/2026 14:19	बुध	25/09/2026 07:51	केतु	04/11/2026 08:51
शनि	10/04/2026 13:59	बुध	26/05/2026 00:51	केतु	02/10/2026 21:39	शुक्र	10/11/2026 20:42

गुरु - गुरु - चंद्र		गुरु - गुरु - मंगल		गुरु - गुरु - राहु		गुरु - शनि - शनि	
10/11/2026 20:42		14/01/2027 19:06		01/03/2027 05:59		26/06/2027 03:06	
14/01/2027 19:06		01/03/2027 05:59		26/06/2027 03:06		19/11/2027 15:14	
चंद्र	16/11/2026 06:34	मंगल	17/01/2027 10:44	राहु	18/03/2027 18:45	शनि	19/07/2027 07:49
मंगल	20/11/2026 01:28	राहु	24/01/2027 06:22	गुरु	03/04/2027 08:46	बुध	09/08/2027 01:56
राहु	29/11/2026 19:14	गुरु	30/01/2027 07:49	शनि	21/04/2027 20:54	केतु	17/08/2027 15:03
गुरु	08/12/2026 11:01	शनि	06/02/2027 12:32	बुध	08/05/2027 10:18	शुक्र	11/09/2027 01:04
शनि	18/12/2026 17:46	बुध	12/02/2027 23:05	केतु	15/05/2027 05:56	सूर्य	18/09/2027 08:53
बुध	27/12/2026 22:32	केतु	15/02/2027 14:43	शुक्र	03/06/2027 17:27	चंद्र	30/09/2027 13:53
केतु	31/12/2026 17:27	शुक्र	23/02/2027 04:31	सूर्य	09/06/2027 13:42	मंगल	09/10/2027 03:00
शुक्र	11/01/2027 13:11	सूर्य	25/02/2027 11:04	चंद्र	19/06/2027 07:28	राहु	31/10/2027 02:25
सूर्य	14/01/2027 19:06	चंद्र	01/03/2027 05:59	मंगल	26/06/2027 03:06	गुरु	19/11/2027 15:14

गुरु - शनि - बुध		गुरु - शनि - केतु		गुरु - शनि - शुक्र		गुरु - शनि - सूर्य	
19/11/2027 15:14		29/03/2028 17:15		22/05/2028 16:41		23/10/2028 21:53	
29/03/2028 17:15		22/05/2028 16:41		23/10/2028 21:53		09/12/2028 04:14	
बुध	08/12/2027 04:55	केतु	01/04/2028 20:49	शुक्र	17/06/2028 09:33	सूर्य	26/10/2028 05:24
केतु	15/12/2027 20:26	शुक्र	10/04/2028 20:43	सूर्य	25/06/2028 02:36	चंद्र	30/10/2028 01:55
शुक्र	06/01/2028 16:47	सूर्य	13/04/2028 13:30	चंद्र	07/07/2028 23:02	मंगल	01/11/2028 18:42
सूर्य	13/01/2028 06:05	चंद्र	18/04/2028 01:27	मंगल	16/07/2028 22:56	राहु	08/11/2028 17:15
चंद्र	24/01/2028 04:15	मंगल	21/04/2028 05:01	राहु	09/08/2028 02:07	गुरु	14/11/2028 21:18
मंगल	31/01/2028 19:46	राहु	29/04/2028 07:20	गुरु	29/08/2028 15:37	शनि	22/11/2028 05:06
राहु	20/02/2028 11:40	गुरु	06/05/2028 12:03	शनि	23/09/2028 01:38	बुध	28/11/2028 18:24
गुरु	08/03/2028 23:08	शनि	15/05/2028 01:09	बुध	14/10/2028 21:58	केतु	01/12/2028 11:11
शनि	29/03/2028 17:15	बुध	22/05/2028 16:41	केतु	23/10/2028 21:53	शुक्र	09/12/2028 04:14

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा समय समय पर आप रक्त विकार से कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी अच्छी नहीं रहेंगी तथा मन से आप चिन्तित तथा व्याकुल रहेंगे। साथ ही आपके स्वभाव में क्रोध की प्रबलता रहेगी जिससे समय समय पर अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। शत्रुपक्ष या विरोधी इस समय आपसे संघर्ष के लिए तत्पर रहेंगे तथा आप उनका सामना करने के लिए उद्यत रहेंगे। इसी संघर्ष में आपको किसी शस्त्रादि से चोट लग सकती है लेकिन पराक्रम आपका बना रहेगा तथा बन्धु वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग मिलेगा। साथ ही संघर्ष पूर्वक सुख संसाधनों की भी अल्प मात्रा में प्राप्ति होगी तथा न्यूनाधिक रूप से आप इनका उपभोग करते रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष पूर्वक आप इस क्षेत्र में उन्नति करेंगे एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। साथ ही यदा कदा इसमें समस्याएं भी हो सकती है तथा हानि के अवसर भी आ सकते हैं अतः सावधान रहें। नौकरी या राजनीति में आपकी उन्नति में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग तथा वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न से रहेंगे। अतः ऐसे समय में उनकी उपेक्षा न करें तथा आज्ञापालन में तत्पर रहें। इस वर्ष में आपकी प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी साथ ही आर्थिक स्थिति में भी उतार चढ़ाव आएंगे। अतः परिश्रम एवं संघर्ष करते रहें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ तथा परेशान रहेंगे फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी जिससे शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करने में आपको असुविधा रहेगी। साथ ही आपको कई बार अपने ही कार्यो से हानि भी हो सकती है जिससे आपको बाद में पछतावा होगा। इस समय मित्र एवं संबधियों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा उनसे तनाव तथा कलह का वातावरण रहेगा फलतः उनसे आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। इस वर्ष में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम एवं पराक्रम से ही सफल होंगे परन्तु यह सफलता भी आंशिक रहेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा चिन्तित रहेंगे।

इस समय आपके शत्रु भी अधिक मात्रा में उत्पन्न होंगे तथा उनसे आप अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान प्राप्त करेंगे। साथ ही घर में किसी प्रकार की चोरी आदि की भी संभावना रहेगी ।अतः ऐसे समय में आपको सावधान रहना चाहिए। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको विशेष लाभ एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपका व्यय भी अधिक होगा तथा धन हानि की भी संभावना रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी व्यवधान रहेगा एवं विगत रूके हुए कार्यो में भी असफलता मिलेगी । इस समय आपके मन में भ्रान्तियां भी अधिक होंगी फलतः अन्य जनों से विवाद होता रहेगा। अतः इस वर्ष को संयम एवं धैर्यपूर्वक व्यतीत करें।